J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING:06.10.2022

AAJ SAMAJ

जानकारी जेसी बोस विश्वविद्यालय ने इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी और ई-लाइब्रेरी 2.0 की शुरुआत की

विद्यार्थियों तथा शोधकर्ताओं को अध्ययन सामग्री आसानी से होगी उपलब्ध

- शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों में डिजिटल पुस्तकालयों की महत्वपूर्ण भूमिका: कुलपति प्रो. तोमर

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने अपने ई-रिसोर्स प्लेटफॉर्म को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय के अंतर्गत इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी प्लेटफॉर्म और अपडेटेड ई-लाइब्रेरी 2.0 को लॉंच किया। दोनों डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर द्वारा किया गया। इस अवसर पर डीन (इंस्टीट्यूट) प्रो. संदीप ग्रोवर, डीन (शैक्षणिक मामले) प्रो. आशुतोष दीक्षित, डीन (एफआईसी) प्रो. कोमल कुमार भाटिया, प्रो. मुनीश वशिष्ठ, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ.पीएन बाजपेयी और रिफ्रेड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक (क्लाइंट सर्विसेज) भावना गोस्वामी भी उपस्थित थीं।
इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी प्लेटफॉर्म विश्वविद्यालय के बौद्धिक उत्पाद जैसे थीसिस और शोध-पत्रों की डिजिटल प्रतियों को एकत्र करने, संरक्षित करने और प्रसारित करने के लिए एक संग्रह है जबकि ई-लाइब्रेरी 2.0 एक अपडेटेड संस्करण है जो उन्नत सुविधाओं और अधिक डिजिटल संसाधनों से सुसज्जित है।

इन डिजिटल प्लेटफार्म से छात्रों, शोधकताओं और शिक्षकों के लिए शिक्षण साम्रगी की उपलब्धता सुगम होगी। केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि ई-संसाधनों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ पुस्तकालय में छात्रों की फिजिकल उपस्थिति को भी प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय के लाइब्रेरियन डॉ. पीएन बाजपेयी ने बताया कि इन पोर्टल का उद्देश्य शिक्षण संसाधनों तथा अन्य प्रासंगिक सामग्री ई-संसाधनों के रूप में उपयोगकताओं उपलब्ध करवाकर उनके समय और प्रयासों को बचाना है।

जानकारी लेते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर। आज समाज

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:06.10.2022

HADOTI ADHIKAR

शैक्षणिक एवं अनुसंधान गतिविधियों में डिजिटल पुस्तकालयों की महत्वपूर्ण भूमिका : प्रो. तोमर

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी और ई-लाइब्रेरी 2.0 की शुरुआत

हाड़ौती अधिकार

फरीदाबाद, 5 अक्टूबर। जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने अपने ई-रिसोर्स प्लेटफॉर्म को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय के अंतर्गत इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी प्लेटफॉर्म और अपडेटेड ई-लाइब्रेरी 2.0 को लॉंच किया। दोनों डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर द्वारा किया गया। इस अवसर पर डीन (इंस्टीट्यूट) प्रो. संदीप ग्रोवर, डीन (शैक्षणिक मामले) प्रो. आशुतोष दीक्षित, डीन (एफआईसी) प्रो. कोमल कुमार भाटिया, प्रो. मुनीश वशिष्ठ, कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. पी.एन. बाजपेयी और फ्रिंड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक (क्लाइंट सर्विसेज) भावना गोस्वामी भी उपस्थित थीं।

इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी प्लेटफॉर्म विश्वविद्यालय के बौद्धिक उत्पाद जैसे थीसिस और शोध-पत्रों की डिजिटल प्रतियों को एकत्र करने, संरक्षित करने और प्रसारित करने के लिए एक संग्रह है जबकि ई-लाइब्रेरी 2.0 एक अपडेटेड संस्करण है जो उन्नत सुविधाओं और अधिक डिजिटल संसाधनों से सुसज्जित है। इन डिजिटल प्लेटफार्म से छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए शिक्षण सामग्री की उपलब्धता सुगम होगी।

केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा की गई पहल की सराहना करते हुए कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि ई-संसाधनों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ पुस्तकालय में छात्रों की फिजिकल उपस्थिति को भी प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के वर्तमान युग में डिजिटल पुस्तकालय शैक्षिक और अनुसंधान प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा छात्रों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को अध्ययन के लिए व्यापक श्रेणी की शिक्षण सामग्री का लाभ उठाने में सक्षम बनाते है। इस अवसर पर प्रो. तोमर ने विद्यार्थियों से ई-संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने का आह्वान किया।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING:06.10.2022

PUNJAB KESARI

इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी, ई-लाइब्रेरी 2.0 की शुरुआत

फरीदाबाद, 5 अक्तूबर(पूजा शर्मा): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने अपने ई-रिसोर्स प्लेटफॉर्म को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय के अंतर्गत इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी प्लेटफॉर्म और अपडेटेड ई-लाइब्रेरी 2.0 को लॉच किया। दोनों डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर द्वारा किया गया।

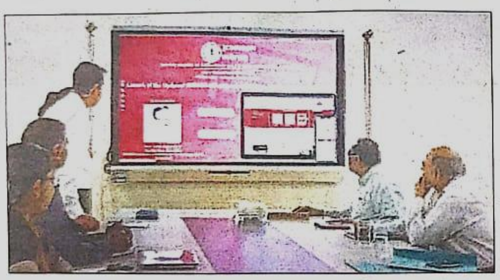

वश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी प्लेटफॉर्म और अपडेटेड ई-लाइब्रेरी 2.0 को लॉच करते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर(छाया: एस शर्मा)

इस अवसर पर डीन (इंस्टीट्यूट) प्रो. संदीप ग्रोवर, डीन (शैक्षणिक मामले) प्रो. आशुतोष दीक्षित, डीन (एफआईसी) प्रो. कोमल कुमार भाटिया, प्रो. मुनीश वशिष्ठ, कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. पी.एन. बाजपेयी और रिफ्रेड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक (क्लाइंट सर्विसेज) भावना गोस्वामी भी उपस्थित थीं।

इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी प्लेटफॉर्म विश्वविद्यालय के बौद्धिक उत्पाद जैसे थीसिस और शोध-पत्रों की डिजिटल प्रतियों को एकत्र करने, संरक्षित करने और प्रसारित करने के लिए एक संग्रह है जबकि ई-लाइब्रेरी 2.0 एक अपडेटेड संस्करण है.जो उन्नत सुविधाओं और अधिक डिजिटल संसाधनों से सुसज्जित है। इन डिजिटल प्लेटफार्म से छात्रों, शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए शिक्षण साम्रगी की उपलब्धता सुगम होगी। कुलपति प्रो. तोमर ने कहा कि ई-संसाधनों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ पुस्तकालय में छात्रों की फिजिकल उपस्थिति को भी प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के वर्तमान युग में डिजिटल पुस्तकालय शैक्षिक और अनुसंधान प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा छात्रों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को अध्ययन के लिए व्यापक श्रेणी की शिक्षण सामग्री का लाभ उठाने में सक्षम बनाते है। इस अवसर पर प्रो. तोमर ने विद्यार्थियों से ई-संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के लाइब्रेरियन डॉ. पी.एन. बाजपेयी ने बताया कि इन पोर्टल का उद्देश्य शिक्षण संसाधनों तथा अन्य प्रासंगिक सामग्री ई-संसाधनों के रूप में उपलब्ध करवाकर समय और प्रयासों को बचाना है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के ई-लाइब्रेरी पोर्टल पर छह लाख से ज्यादा ई-संसाधन तथा 10 हजार से अधिक पत्रिकाएँ शामिल हैं जिनमें एल्सेवियर साइंस डायरेक्ट, आईईईई, स्प्रिंगर लिंक, टेलर एंड फ्रांसिस आदि शामिल है। इसके अलावा, ईबीएससीओ, मैकग्रा-हिल, पियरसन आदि सहित 20 हजार से ज्यादा ई-बुक्स, दो लाख से ज्यादा थीसेस, 80 हजार से ज्यादा वीडियो लेक्चर, 100 से ज्यादा पत्रिकाएं, 1000 से ज्यादा एक्पर्ट लेक्चर, 2000 से ज्यादा हिंदी और अंग्रेजी में साहित्यिक कार्य, व शिक्षकों के नोट उपलब्ध है।

NEWS CLIPPING:06.10.2022

HINDUSTAN

ई-लाइब्रेरी पर दस हजार से ज्यादा किताबें उपलब्ध होंगी

फरीदाबाद, संवाददाता। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में बुधवार को पंडित दीन दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय के तहत इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी प्लेटफॉर्म और अपडेटेड ई-लाइब्रेरी 2.0 को लांच किया गया। दोनों डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने किया।

मौके पर डीन इंस्टीट्यूट प्रो. संदीप ग्रोवर, डीन शैक्षणिक मामले प्रो. आशुतोष दीक्षित, डीन (एफआईसी) प्रो. कोमल कुमार भाटिया, प्रो. मुनीश वशिष्ठ, कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. पीएन बाजपेयी और रिफ्रेड सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक (क्लाइंट सर्विसेज) भावना गोस्वामी उपस्थित रहे। मौके पर कुलपति ने कहा कि ई-संसाधनों को बेहतर करने से छात्रों को सीधे लाभ मिलेगा।

लाइब्रेरियन डॉ. पीएन बाजपेयी ने बताया कि इन पोर्टल का उद्देश्य शिक्षण संसाधनों और पाठ्य सामग्री को ई-संसाधनों के रूप में मौजूद कराना है। ई-लाइब्रेरी पोर्टल पर छह लाख से ज्यादा ई-संसाधन और 10 हजार से ज्यादा किताबें हैं। साथ ही दो लाख से ज्यादा थेसीस, 80 हजार से ज्यादा वीडियो लेक्चर, 100 से ज्यादा पत्रिकाएं, 1000 से ज्यादा एक्सपर्ट लेक्चर, 2000 से ज्यादा हिंदी और अंग्रेजी साहित्य भी मौजूद है।

NEWS CLIPPING:06.10.2022

DAINIK JAGRAN

जेसी बोस विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी और ई-लाइब्रेरी 2.0 की शुरुआत

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : जेसी बोस विश्वविद्यालय में पंडित दीन दयाल उपाध्याय केंद्रीय पुस्तकालय के तहत इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी प्लेटफार्म और अपडेटेड ई-लाइब्रेरी 2.0 को लांच किया। दोनों डिजिटल प्लेटाफार्म का शुभारंभ कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने किया। प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि ई-संसाधनों को सुदृढ़ करने के साथ पुस्तकालय में छात्रों की फिजिकल उपस्थिति को भी प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। सूचना प्रौद्योगिकी के वर्तमान युग में डिजिटल पुस्तकालय शैक्षिक और अनुसंधान प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा छात्रों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को अध्ययन के लिए व्यापक श्रेणी की शिक्षण सामग्री का लाभ उठाने में सक्षम बनाते है।

विश्वविद्यालय के लाइब्रेरियन डा.पीएन बाजपेयी ने बताया कि विश्वविद्यालय के ई-लाइब्रेरी पोर्टल पर छह लाख से ज्यादा ई-संसाधन तथा 10 हजार से अधिक पत्रिकाएं शामिल हैं, जिनमें एल्सेवियर साइंस डायरेक्ट, आइईईई, स्प्रिंगर लिंक, टेलर एंड फ्रांसिस आदि शामिल है। इसके अलावा, ईबीएससीओ, मैकग्रा-हिल, पियरसन आदि सहित 20 हजार से ज्यादा ई-बुक्स, दो लाख से ज्यादा थीसेस, 80 हजार से ज्यादा वीडियो लेक्चर, 100 से ज्यादा पत्रिकाएं, एक हजार से ज्यादा एक्पर्ट लेक्चर, दो हजार से ज्यादा हिंदी और अंग्रेजी में साहित्यिक कार्य और शिक्षकों के नोट्स उपलब्ध है।

इंस्टीट्यूशनल रिपोजिटरी तथा ई-लाइब्रेरी को विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध पुस्तकालय अनुभाग के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है।

NEWS CLIPPING:06.10.2022

PIONEER

आधारभूत सुविधा की कमी सबसे बड़ी चुनौतीः कुलपति

फरीदाबाद। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के कार्यान्वयन में शिक्षण संस्थानों के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं की कमी है यह बात जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति प्रोफेसर सुशील कुमार तोमर ने फरीदाबाद पंचनद शोध संस्थान केंद्र द्वारा आयोजित गोष्ठी में अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कही। गोष्ठी का विषय 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में शिक्षण संस्थानों के समक्ष चुनौतियां' था। उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 दोनो ही छात्र की अभिरुचि के अनुसार शिक्षा प्रदान करने की वकालत करते है लेकिन हमारे शिक्षण संस्थानो में इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी इसके सफल कार्यान्वयन में कारक है। पहला जैसे अगर कोई विज्ञान का छात्र म्यूजिक मे रूचि रखता है तो क्या संस्थान उसके टाइम टेबल के अनुसार म्यूजिक कक्षा की व्यवस्था कर पाएगा।